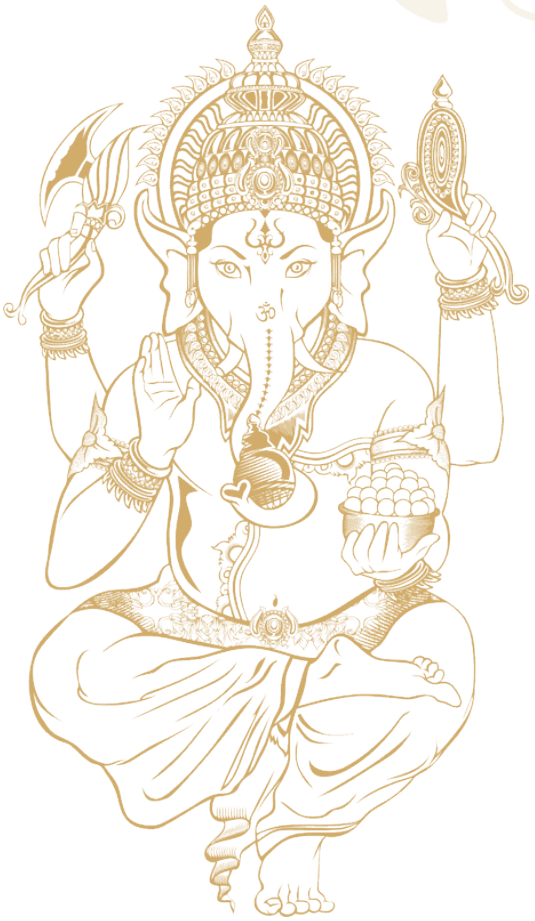

Sahil

Anjali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120628902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/10/1992	जन्म तिथि	14-15/01/1996
शनिवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 13:45:00	जन्म समय	03:45:00 घंटे
घटी 18:12:48	जन्म समय(घटी)	51:13:52 घटी
India	देश	Nepal
Delhi	स्थान	Mahendra Nagar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:58:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	79:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:25:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:52	सूर्योदय	07:20:30
17:43:28	सूर्यास्त	17:48:24
23:45:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:13

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 4वर्ष 9मा 2दि		17:56:57	मक	लग्न	वृश्चि	09:35:10	राहु 9वर्ष 1मा 22दि	
गुरु		07:24:50	तुला	सूर्य	मक	00:13:01	शनि	
28/07/2022		16:59:27	कन्या	चंद्र	तुला	13:13:34	08/03/2021	
28/07/2038		26:34:36	मिथु	मंगल	मक	11:15:48	08/03/2040	
गुरु	14/09/2024	29:55:37	तुला	बुध व	मक	08:56:37	शनि	11/03/2024
शनि	28/03/2027	09:05:52	कन्या	गुरु	धनु	08:47:30	बुध	19/11/2026
बुध	03/07/2029	11:49:53	वृश्चि	शुक्र	कुंभ	05:51:57	केतु	29/12/2027
केतु	09/06/2030	18:07:00	मक	शनि	कुंभ	26:39:44	शुक्र	27/02/2031
शुक्र	07/02/2033	29:00:11	वृश्चि व	राहु व	कन्या	27:46:24	सूर्य	09/02/2032
सूर्य	26/11/2033	29:00:11	वृष व	केतु व	मीन	27:46:24	चन्द्र	10/09/2033
चन्द्र	28/03/2035	20:41:58	धनु	हर्ष	मक	06:20:58	मंगल	19/10/2034
मंगल	03/03/2036	22:36:57	धनु	नेप	मक	01:23:53	राहु	25/08/2037
राहु	28/07/2038	28:15:03	तुला	प्लूटो	वृश्चि	08:34:18	गुरु	08/03/2040

लग्न-चलित

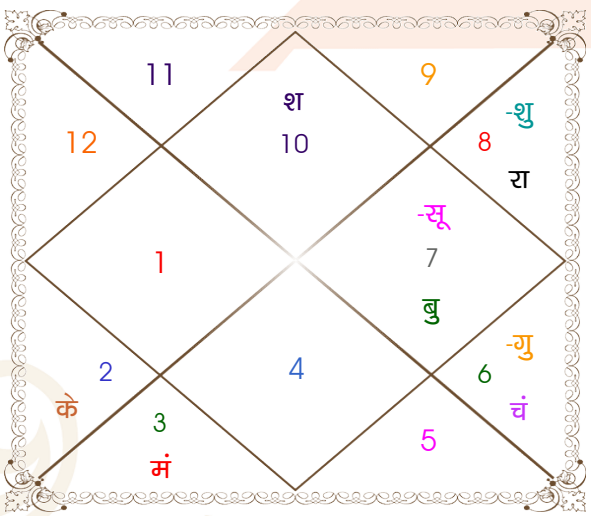

लग्न-चलित

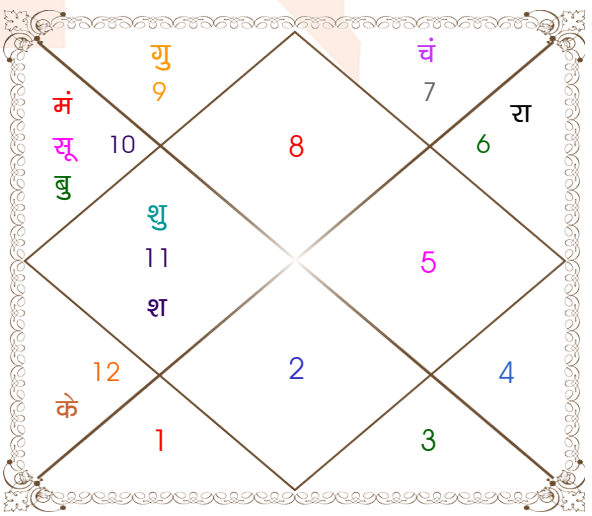

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sahil का वर्ग श्वान है तथा ।दरंसप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil और ।दरंसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

।दरंसप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Sahil तथा ।दरंसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।